

27618

~~के~~

पत्रावली आज वकील प्रामो के कार्यालय पर
 पेशा तरीक पर ली गई। चूंकि मूल वाद अस्थि
 शरीरनाम विद्ने किया जा चुका है। अब इस
 आवेदन में आगामी कार्यवाही का कोई औचित्य
 नहीं रहा। इस आवेदन में आगामी
 कार्यवाही इसी स्तर पर समाप्त कर
 न्यायालय द्वारा जारी एगन ऑर्डर सं 183/16
 दि 18.5.16 को निरस्त किया जाता है।
 पत्रावली फंसल शुभार होकर दाखिल
 दफतर हो गई।

सहायक कलक्टर
 चौहटन